(1)

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. (वाद्य संगीत) ~~2015-16~~ 2016-17

[illegible] ,द्वितीय,तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा योजना

		न्यूनतम उत्तीर्णांक
1) प्रथम प्रश्नपत्र	85	28
सी.सी.ई.	15	
2) द्वितीय प्रश्नपत्र	85	28
सी.सी.ई.	15	
3) तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगीक)	100	40
4) चतुर्थ प्रश्नपत्र	100	40
चतुर्थ सेमेस्टर – इन्टर्नशिप	100 अंक	

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) – भारतीय संगीत के सामान्य सिध्दान्त एवं व्यावहारिक सिध्दान्त

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) -- भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौंदर्यशास्त्र

तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक I – राग गायन एवं मौखिक परीक्षा

चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रायोगिक II -- मंच प्रदर्शन

तृतीय सेमेस्टर सत्र 2016–17

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) – व्यावहारिक संगीत के सिध्दान्त एवं सांगीतिक रचनाऍ

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) – भारतीय संगीत का इतिहास एवं ध्वनिशास्त्र

तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक I – राग गायन एवं मौखिक परीक्षा

चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रायोगिक II – मंच प्रदर्शन

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र 2016–17

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) – व्यावहारिक संगीत के सिध्दान्त एवं सांगीतिक रचनाऍ

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) – भारतीय संगीत का इतिहास एवं संगीत शोध प्रविधि

तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक I – राग गायन एवं मौखिक परीक्षा

चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रायोगिक II – मंच प्रदर्शन

S. Khanwalkar
1/7/2015

9/7/2015

9/7/2015

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

भारतीय संगीत के सामान्य सिध्दान्त एवं व्यवहारिक सिध्दान्त

इकाई 1 निम्नलिखित रागों का सैध्दान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन
1. श्यामकल्याण 2. देवगिरि बिलावल 3. यमनि बिलावल
4. बागेश्री 5. रागेश्री 6. अहिर भैरव
7. बैरागी भैरव

इकाई 2 प्रायोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन

इकाई 3 निम्नलिखित रागांगो का विस्तृत अध्ययन
1. कल्याण 2. बिलावल 3. सारंग

इकाई 4 अ) भारतीय वाद्य संगीत के प्रमुख घरानों जैसे रामपुर एवं इनायत खॉ घरानों का इतिहास एवं विशेषता ।
ब) रामपुर एवम् इनायत खॉ घरानों का सांगीतिक योगदान

इकाई 5 निम्नलिखित विषयों पर निबंध
1. संस्थागत संगीत शिक्षण
2. संगीत में गुरूशिष्य परम्परा
3. जीवन में संगीत का स्थान
4. संगीत में ताल का महत्व
5. राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना में संगीत की भूमिका
6. शास्त्रीय संगीत का भविष्य

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौदर्यशास्त्र

इकाई 1 1. भारतीय संगीत की उत्पत्ति एवं विकास
2. अपने वाद्यों के घरानों का अध्ययन

S. Khanwalkar

इकाई 2 1. मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत का विस्तृत अध्ययन।
2. आधुनिक संगीत का अध्ययन।

इकाई 3 महर्षि भरत, पं. शारंगदेव, पं. मतंग एवं पं. अहोबल कृत ग्रंथों का संक्षिप्त अध्ययन एवं संगीत में योगदान।

इकाई 4 रस की परिभाषा एवं प्रकारों का अध्ययन, राग रस सिद्धान्त।

इकाई 5 1. कला एवं सौंदर्य का अध्ययन एवं पारस्परिक संबंध।
2. सौंदर्य शास्त्र की विशेषएं

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र (प्रयोगिक) **अंक 100**

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

इकाई 1 निम्नलिखित रागों में से किन्ही दों रागों में विलम्बित एवं दृतगत आलाप तान सहित एवं शेष रागों में केवल दृत गत का वादन
1. श्यामकल्याण 2. देवगिरि बिलावल 3. यमनि बिलावल
4. बागेश्री 5. रागेश्री 6. अहिर भैरव
7. बैरागी भैरव

इकाई 2 उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक धुन एवं भजन रचना

इकाई 3 उपर्युक्त सभी रागों (कुल 7) की मौखिक परीक्षा।

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (प्रयोगिक) **अंक 100**

मंच प्रदर्शन

इकाई 1 प्रथम प्रायोगिक प्रश्न–पत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों में से किसी भी एक राग का विलम्बित एवं दृत गत का वादन।

इकाई 2 प्रथम प्रयोगिक प्रश्न–पत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों में से परीक्षक दिये गये राग के मध्यलय गत का आलाप तान सहित वादन

इकाई 3 निम्नलिखित गीत प्रकारों में से किसी एक गीत प्रकार का वादन –
1. भजन 2. गज़ल 3. गीत 4. लोकगीत

9/7/2015 S. Khanwale.

(२)

देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इन्दौर

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्ध

सत्र ~~2013–14~~ 2016-17

सेमिस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमिस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र (सैद्धांतिक)

अंक – 85

भारतीय संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्वान्त

इकाई–1 – भारतीय रागों का सैद्धांतिक एवं तुलनात्मक अध्ययन

1) पहाड़ी 2) शुद्ध सारंग 3) मध्माद सारंग 4) मारूबिहाग

5) कलावती 6) शहाना 7) पूरिया कल्याण

इकाई–2 – प्रयोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन, अन्य ताल में गत रचना।

इकाई–3 – निम्नलिखित रागांगों का विस्तृत अध्ययन

1) भैरव 2) मल्हार 3) कान्हाड़ा

इकाई–4 – 1) निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण विवेचन

आड़ा चार ताल, पंचम सवारी, ब्रम्हा ताल

2) भारतीय वृन्द वादन की परम्परा और विकास

इकाई–5 – निम्नलिखित विद्वानों के सांगीतिक योगदान पर निबन्ध लेखन।

1) उस्ताद अलाउद्दीन खाँ

2) उस्ताद विलायत खाँ

3) पं. वी.जी. जोग

4) पं. रवि शंकर

S. Khanwalkar

(5)

देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इन्दौर

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्ध

सत्र ~~2013–14~~ 2016-17

सेमिस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमिस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र (सैद्धांतिक)

अंक – 85

भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौंदर्यशास्त्र

इकाई–1 – वैदिक, रामायण, महाभारत एवं पुराणकाल में प्रचलित संगीत की जानकारी।

इकाई–2 – जैन एवं बौद्धकालीन संगीत

इकाई–3 – पं. मतंग पं. अहोबल कृत ग्रंथों का संक्षिप्त अध्ययन एवं संगीत में योगदान

इकाई–4 – 1) अपने वाद्य के वादन पद्धति का अध्ययन

2) लोक संगीत के वाद्य–

घण्टा ढोलक, दुक्कड़, सुरनाई, एक तारा

इकाई–5 – 1) पाश्चात्य दर्शन के अनुसार कला एवं सौंदर्य का सामान्य अध्ययन

2) रस सिद्धान्त के प्रसिद्ध चार मत

S. Khanwale

9/7/2015

देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इन्दौर

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्ध

सत्र ~~2013–14~~ 2016-17

सेमिस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमिस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र (प्रायोगिक)

अंक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

इकाई–1 – निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित एवं दृतगत आलाप तान सहित एवं शेष सभी रागों के केवल दृतगत का वादन

1) पहाड़ी 2) शुद्ध सारंग 3) मध्माद सारंग 4) मारूबिहाग

5) कलावती 6) शहाना 7) पूरिया कल्याण

इकाई–2 – उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक सुगम या धुन वादन

इकाई–3 – उपर्युक्त सभी रागों (सात) की मौखिक परीक्षा

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्ध

सत्र ~~2013–14~~ 2016-17

सेमिस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमिस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (प्रायोगिक)

अंक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई–1 – प्रथम प्रयोगिक प्रश्न–पत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों में से किसी भी एक राग का विलम्बित एवं दृत गत गा वादन।

इकाई–2 – प्रथम प्रयोगिक प्रश्न–पत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा दिये गये राग के अध्ययन का आलाप तान सहित वादन।

इकाई–3 – निम्नलिखित गीत प्रकारों में से किसी एक गीत प्रकार का वादन।

1) भजन 2) गजल 3) लोकगीत

S. Khanwale

9/7/2015

इकाई 2 किसी एक राग में द्रुत गत तान आलाप सहित।

इकाई 3 निम्नलिखित गीत प्रकारों में से किसी एक का वादन–
1. भजन 2. गजल 3. गीत 4. लोक गीत

(नोट :– द्वितीय सेमेस्टर के लिए परीक्षार्थी द्वारा रागों का चयन प्रथम सेमेस्टर से भिन्न होना आवश्यक है)

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र (सैद्धांतिक) **अंक 85**

व्यावहारिक संगीत के सिद्धांत एवं संगीतिक रचनाएँ

इकाई 1 निम्नलिखित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन।
1. बिलासाखानी तोड़ी 2. कोमल रिषभ आसावरी 3. कौंसी कानडा
4. आभेगी कान्हडा 5. जोग 6. जोग कौंस 7. किरवानी

इकाई 2 1) पाठ्यक्रम के रागों की गतो का स्वरलिपी लेखन तथा आलाप
2) अन्य तालों में गत लेखन (तीन ताल को छोड़कर)

इकाई 3 1) पाश्चात्य संगीत का इतिहास
2) पाश्चातय (युरोपिय) स्वर का सप्तक का अध्ययन

इकाई 4 1) कर्नाटक संगीत की लिपी पद्धति का अध्ययन।
2) निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण वर्णन दुगुन तिगुन व चौगुन की लयकारियों सहित 1) शिखर ताल 2) जत ताल 3) रूद्र ताल

इकाई 5 1) अपने वाद्य की शैली तथा बनावट
2) भारतीय शास्त्रीय संगीत के वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास की रूपरेखा
1) तंत्री वाद्य 2) सुषिर वाद्य 3) अवनद्ध वाद्य 4) घन वाद्य

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र (सैद्धांतिक) **अंक 85**

भारतीय संगीत का इतिहास एवं ध्वनिशास्त्र

S. Khanwalk

9/7/2016

इकाई 1– 1) भारतीय संगीत की उत्पत्ति से सम्बन्धित विद्वानों का विभिन्न मत
1) भारतीय संगीत का मध्यकालीन इतिहास

इकाई 2– 1) संगीत वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास (तंत्री वाद्य)
2) निम्नलिखित वाद्यों का विस्तृत परिचय
1) मत्तकोकिला 2) किन्नरी 3) मृंदग 4) पटह 5) मधुकारी
6) घंटा 7) वंशी 8) कांस्यताल

इकाई 3– निम्नलिखित संगीतज्ञ एव ग्रथकारो का भारतीय संगीत में योगदान
1) पं. रविशंकर 2) पं. व्ही.जी.जोग 3) पं. लालमणि मिश्र
4) राजा मानसिंह तोमर 5) रविन्द्रनाथ टैगोर 6) उ. विलायत खॉ

इकाई 4– गायन के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन
शास्त्रीय संगीत – 1) ध्रुपद 2) धमार 3) तराना 4) चतुरंग
उपशास्त्रीय संगीत – 1) दादरा 2) कजरी 3) चैती 4) होरी

इकाई 5– ध्वनि शास्त्र
1) ध्वनि का उत्पादन,प्रसारण एवं ग्रहण 2) ध्वनि के प्रकार
3) कम्पन और आवृत्ति का विवेचन

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2016–17

तृतीय सेमेस्टर

...ीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

अंक 100

इकाई 1– निम्नलिखित रागों में से किन्हीं तीन रागों में विलम्बित एवं द्रुतवादन विस्तृत वादन शैली में ।
1) बिलासखानी तोडी 2)कोमल रिषभ आसावरी 3) कौंसी कानडा
4) आभोगी कान्हडा 5) जोग 6) जोग कौंस 7) किरवानी

इकाई 2– उपर्युक्त रागों में विलम्बित गत वाले रागों को छोडकर शेष चार रागों में केवल मध्यलय के गत विस्तृत वादन शैली में ।

इकाई 3– उपर्युक्त सभी रागों (कुल 7) की मौखिक ...

S. Khanwah.

9/7/2015

(9)

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2016–17
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) मंचप्रदर्शन

अंक 100

इकाई 1– परीक्षार्थी द्वारा चयनित किसी एक राग का विस्तृत वादन ।

इकाई 2– परीक्षार्थी द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत वादन शैली में ।

इकाई 3– उपशास्त्रीय संगीत गायन–ठुमरी वादन, धुन

इकाई 4– सुगम संगीत के अन्तर्गत गीत अथवा भजन वादन, देश भक्तिगीत ।

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2016–17
चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) व्यावहारिक संगीत के सिध्दान्त एवं सांगीतिक रचनाएँ

अंक 100

इकाई 1– निम्नलिखित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन
1) मधुकौंस 2) चन्द्रौंस 3) हँसध्वनि 4) मधुवन्ती
5) भटियार 6) विभास 7) गुर्जरी तोडी

इकाई 2– दिए गए राग को स्वरलीपी बध्द करना

इकाई 3– अ) संगीत में शोध प्रविधि का सामान्य अध्ययन
ब) संगीत में शोध की आवश्यकता

इकाई 4– हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत की ताल पध्दति एवं विभिन्न गीत प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 5– अ) वादन के विभिन्न घरानें
ब) सैनिया घराने का विकास

S. Khanwalk

9/3/2015

(15)

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2016–17
चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) भारतीय संगीत का इतिहास एवं ध्वनिशास्त्र

अंक 100

इकाई 1– भारतीय संगीत के इतिहास में आधुनिक काल का अध्ययन ।

इकाई 2 – शास्त्रीय संगीत में उपयोग में लाए जाने वाले सितार, क्वायलीन, सरोद, तबला की विस्तृत जानकारी एवं अध्ययन ।

इकाई 3– निम्न वाद्यों की विस्तृत जानकारी
1) मृदंग 2)बन्सी 3)घण्टा 4) मत्त कोकिला
5) किन्नरी 6) चित्रा 7) विपंची

इकाई 4– निम्नलिखित सगीतों का भारतीय संगीत में योगदान –
1) स्वामी हरिदास 2) तानसेन
3) उ. बिस्मिल्ला खॉ 4) पं. शिवकुमार शर्मा
5) पं. निखिल बैनर्जी 6) डॉ. एन. राजम

इकाई 5– (अ) सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि परिभाषाएं–ध्वनि का अनुरणन, परावर्तन,ध्वनि–आवर्तक, ध्वनि वितर्तन, प्रतिध्वनि
(ब) निम्नलिखित तालों का परिचय एवं वर्णन दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित
1) बसंत 2) पंचम सवारी
3) लक्ष्मी ताल 4) गजझंपा ताल

S. Khanvalu.

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2016—17
चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

अंक 100

इकाई 1— निम्नलिखित रागों में से किन्ही तीन रागों में विलम्बित एवं दृतवादन विस्तृत आलाप तान सहित
1) मधुकौंस 2) चन्द्रौंस 3) हॅंसध्वनि 4) मधुवन्ती
5) भटियार 6) विभास 7) गुर्जरी तोडी

इकाई 2— उपर्युक्त रागों में विलम्बित गत वाले रागों को छोडकर शेष चार रागों में केवल मध्यलय की गत विस्तृत आलाप तान सहित ।

इकाई 3-- उपर्युक्त सभी रागों (सात) की मौखिक परीक्षा

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2016—17
चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) मंच प्रदर्शन

अंक 100

इकाई 1— परीक्षार्थी द्वारा चयनित किसी एक राग का विस्तृत वादन ।

इकाई 2— किसी एक राग में दृतवादन तान सहित ।

इकाई 3-- उपशास्त्रीय संगीत ढुमरी, वादन, धुन ।

इकाई 4-- सुगम संगीत के अन्तर्गत गीत अथवा भजन वादन देशभक्ति गीत ।

S. Khanwalkar

9/7/2015